3, 71, 438
प्रकाशन संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

मेरठ से प्रथम विद्रोह ''१० मई, १८५७ की स्मृति में''

उनको भूल न जाना

● अरविन्द

जन-गण-मन के जो संवाहक, उनकी याद दिलाना ।।
नव पीढ़ी के नव मानस में ,श्रद्धा दीप जलाना ।।
उनको भूल न जाना, बंधु! उनको भूल न जाना ।।

देह दीप में इच्छाओं के स्वर्णिम पँख जलाकर
लाए जो आजादी अपना नामों-निशां मिटाकर।
गाओ, देशवासियो! उनके ग्राम-वंश-गुण गाओ।
गाओ जन-गण-मन, उनकी स्मृति में दीप जलाओ ।।
महके फूलों की यह रंगत, उस लोहू से आए-
जिसके अस्थि वज्र की नादें, मुक्त पवन दोहराए।
आज तिरंगे की छाया में - उनके गीत सुनाना ।।
बंधु! उनको भूल न जाना बंधु.....

नवल-पंथ के लिए उठे स्वर, नवल-कंठ ने गाए।
बूढ़े भारत के लोहू में चक्रवात लहराए।
अमर तिरंगे की यह काया उन सबकी है थाती,
जिनकी दारुण करुण कथाएं,सुन आँखें बह आती।
लाए जो आजादी अपने घर के दीप बुझाकर-
गए मगर माँ के मंदिर में शोणित - दीप जलाकर ।।

आज तिरंगा मुक्त-गगन में उनके हित लहराना,
बंधु। उनको भूल न जाना बंधु। उनको भूल न जाना ।।

● मेरठ (उ.प्र.)